

18.10.204 :

फगावली पेसा ठुळी वरील सुखी उपरिपर नदी  
वरील सुखी व सुखी सुखी को काट-काट कावाज  
लगाव छिट भी हाजिर नही। प्रारंभ-का आरंभ  
हाजरी व प्रारंभ फेरी मे काठिय क्रिया जाला हे।  
फगावली नदर से काम की जाकर काट तारीक  
व काठीक जाला हासिल करत हो।

ॐ

